मंगलवार

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

12 मई 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 108
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

फर्जी खबर ने सोशल मीडिया को घेरा

संवाददाता

देहरादून। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही 6 जून 1967 की द हिन्दू की कथित फ्रंट पेज तस्वीर फर्जी निकली है। अखबार द हिन्दू ने स्वयं स्पष्ट किया है कि यह पेज उनके आधिकारिक आर्काइव का हिस्सा नहीं है और इसे डिजिटल रूप से एडिट किया गया है।

दरअसल, हाल के दिनों में एक कथित खबर तेजी से शेयर की जा रही थी, जिसमें दावा किया गया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने लोगों से सोना न खरीदने की अपील की थी। अब द हिन्दू ने बयान जारी कर कहा है कि वायरल इमेज असली नहीं है। अखबार ने लोगों से अपील की है कि किसी भी पुरानी खबर या दस्तावेज को शेयर करने से पहले उसकी सत्यता जरूर जांच लें, ताकि फर्जी सूचनाओं के प्रसार को रोका जा सके।

टाइम्स नाउ समेत कई समाचार संस्थानों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विभिन्न नेताओं, जैसे कर्नाटक भाजपा प्रवक्ता विजय प्रकाश, ने इंदिरा गांधी के कथित 'सोना न खरीदने' वाले बयान की कहानी को प्रमुखता से प्रसारित किया। इसका उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया सोना खरीदने को लेकर की गई अपील से समानता दिखाना था।

यह दावा उस समय सामने आया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 मई 2026 को तेलंगाना के सिकंदराबाद में एक जनसभा को संबोधित किया। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच पीएम मोदी ने देशवासियों से अर्थव्यवस्था की सुरक्षा के लिए खर्चों में कटौती करने की अपील की। उन्होंने भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर बढ़ते दबाव का उल्लेख करते हुए नागरिकों से गैर-जरूरी सोने की खरीदारी यहां तक कि शादी-ब्याह के लिए सोना खरीदने को भी कम से कम एक साल के लिए टालने का आग्रह किया।

SAREES RAM CHANDER PURE SILKS KANCHIPURAM

THE HINDU

Indian National Newspaper

FOR PERFECT PRINTING THE HINDU GROUP PRESS

Vol. 44 No. 296 MADRAS: TUESDAY, JUNE 6, 1967 Price 15 N.P.

Don't buy gold, Indira tells people; appeals for 'national discipline'

Foreign exchange position still critical: Govt.

Special Correspondent

NEW DELHI, June 5.—Mrs. Indira Gandhi today made an earnest appeal to the people not to buy gold in any form and to observe "national discipline" in the matter of gold consumption in the country.

The appeal is part of the Government's continuing effort to save precious foreign exchange which is still under severe strain.

In a statement issued here, the Prime Minister said: "We are facing a very critical position in regard to our foreign exchange. Gold imports add heavily to our burden. I, therefore, appeal to all our citizens not to buy gold, whether in the form of ornaments or otherwise. This is [illegible] for national discipline and sacri[illegible]

The Government [illegible] already [illegible]posed restriction[illegible] the Go[illegible] (Control) Orders. [illegible] tion in [illegible] regard [illegible] the [illegible] well-bein[illegible] the country."

Smt. Indira Gandhi
appeals to save foreign exchange

Gold imports to be curbed further

NEW DELHI, June 5.—In view of the serious foreign exchange situation, the Government is considering further measures to curb gold imports and regulate the use of gold in the country.

Official sources said that the existing Gold Control Orders would be strictly enforced and any further necessary action would be taken.

People have been urged to co-operate whole-heartedly with the Government in this matter.

Food production to be stepped up

Monsoon likely by mid-June

[illegible] infiltration [illegible] in J&K

INSIDE

- Parliament News—Page 3
- Editorial—Page 6
- Financial News—Page 7

दून वैली मेल

संपादकीय

चुनाव जीतने वाली सरकार की हार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगर आज भी यह समझ बैठे हैं कि वह देशवासियों को अगर यह कहेंगे कि भूत आ रहा है और तुम्हें खा जाएगा इसलिए सर के बल खड़े हो जाओ तो वह सर के बल खड़े हो जाएंगे? तो वह बहुत बड़े मुगालते में है वह समय अब बहुत पीछे छूट चुका है जब उनके कहने पर इस देश के लोगों ने घरों की छतों और बालकोनियों में खड़े होकर ताली और थालियां बजाई थी। उनके द्वारा अपने इमोशंस का इस्तेमाल करने की सभी सीमाएं पार हो चुकी हैं। वर्तमान समय में वह देश के लोगों से देश की डूबती अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए राष्ट्र प्रेम और राष्ट्रीय हितों की दुहाई देते हुए एक साल तक सोना न खरीदने पेट्रोल-डीजल की बचत करने के लिए मेट्रो में सवारी करने, खाद्य तेल और उर्वरकों का इस्तेमाल न करने सहित विदेश घूमने न जाने तक तमाम जो बातें की जा रही है उनका लोग न सिर्फ मजाक बना रहे हैं बल्कि उनसे सीधे सवाल कर रहे हैं कि आज अगर देश की अर्थव्यवस्था इस बदहाल स्थिति में आकर खड़ी हो गई है तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है? देश के लोगों का कहना है कि डॉलर के मुकाबले रुपया 95 तो अब पहुंचा जब 85 पर था तब खाड़ी में युद्ध नहीं हो रहा था तब सरकार कहां सोई हुई थी? इजरायल ईरान युद्ध तो अभी 2 महीने पहले ही शुरू हुआ है क्या इन दो महीना में ही अर्थव्यवस्था डूब गई है जी नहीं इस अर्थव्यवस्था की बदहाली ऐसी होने में पूरे एक दशक का समय लगा है। जिसमें देश के लघु और मध्यम उद्योगों को चौपट करने का काम सरकार ने किया है। नोटबंदी के एक तुगलकी फैसले ने देश के उद्योग धंधों की ऐसी कमर तोड़ी कि वह फिर संभल ही नहीं सके। जब सत्ता में आए थे और विदेशों में जमा काला धन वापस लाने का और गरीबों के खातों में 15-15 लाख डालने का सफेद झूठ बोला था उसे अगर चुनावी शगुफा भी मान लिया जाए तो क्या हर साल 2 करोड़ रोजगार का वायदा भी शगुफा था अगर हां तो फिर इन शगूफो की फेरहिस्त इतनी लंबी हो चुकी है कि प्रधानमंत्री की किसी भी बात पर देश के लोग भला कैसे भरोसा कर सकते हैं। चुनाव दर चुनाव उनकी जीत को आधार बनाकर उनके अंध भक्तों का यह तर्क की अगर मोदी ने कोई काम नहीं किया है तो लोग उन्हें वोट क्यों दे रहे हैं? महज एक कुतर्क ही कहा जा सकता है क्योंकि अब पूरा देश जान चुका है कि भाजपा सरकार ने चुनावों को भी एक इवेंट मैनेजमेंट कैसे बना दिया है। देश के आम आदमी का जीवन बदहाली के जिस कगार पर आकर खड़ा हो गया है और शिक्षित बेरोजगारों की फौज बढ़ती जा रही है तथा आय के संसाधन घटते जा रहे हैं विदेशी निवेशक शेयर बाजार से अपनी पूंजी निकाल कर भागते जा रहे हैं रुपए की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कोई कीमत शेष बची ही नहीं है और सरकार कृत्रिम तरीकों के सहारे बेरोजगारी तथा बढ़ती महंगाई की समस्याओं का समाधान खोज रही है उससे अब देश का कोई भला नहीं होने वाला है। आने वाले दिनों में महंगाई और बेरोजगारी का जो बम फटने वाला है इसका अंदाजा सत्ता में बैठे लोगों को हो चुका है। विकसित भारत का सपना बेचने वालों को पता है कि अभी तो सोना न खरीदने की अपील से शायद कुछ दिन काम चल जाएगा लेकिन आने वाले दिनों में उन्हें राष्ट्र के नाम सोना दान करने की कहीं अपील न करनी पड़ जाए? सगूफे और लफ्फे लफ्फाजी से आप लोगों को कितने समय तक मूर्ख बना सकते हैं सरकार चलाने के लिए जनता का विश्वास चाहिए होता है उसे देश के नेता अब खो चुके हैं। पीएम की यह अपील खुद इसका सबूत है कि उन्होंने देश को बर्बादी के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है।

एक किलो चरस सहित दो लोग गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। नशा तस्करी में लिप्त दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से एक किलो चरस बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज नशा तस्कर की एक सूचना के बाद कोटद्वार पुलिस, एएनटीएफ एवं सीआईयू की संयुक्त टीम द्वारा क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस टीम द्वारा मालन नदी पुल के पास संदिग्ध रूप से घूम रहे दो व्यक्तियों को रोककर पूछताछ एवं तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आरोपी शहनवाज उर्फ शानू निवासी कोटद्वार तथा मोहम्मद फईम निवासी नजीबाबाद, उत्तर प्रदेश के कब्जे से कुल 1 किलो 52 ग्राम चरस (जिसमें शहनवाज उर्फ शानू, के कब्जे से 876 ग्राम तथा मो. फईम कब्जे से 176 ग्राम चरस) बरामद हुई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया गया कि वे आर्थिक लाभ कमाने के उद्देश्य से चरस की तस्करी कर रहे थे और दोनों स्वयं भी नशे के आदी हैं तथा फल एवं मछली बेचने का कार्य करते हैं। नशे की सप्लाई कर धन अर्जित करने की लालसा में वे इस चरस को को बेचने जा रहे थे। पुलिस टीम द्वारा दोनों आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार किया गया एवं आरोपियों के विरुद्ध कोतवाली कोटद्वार में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

विस चुनाव 2027 के संभावित मुद्दे (भाग-6)

पहाड़ के उजड़ते गांवों की पीड़ा पर सजेगी विधानसभा 2027 की चुनावी बिसात

'अधूरे वादों' पर सियासत 25 साल से 'मौन'

❑पर्वतीय जिलों से लगातार बढ़ रहा पलायन राजनीतिक दलों के लिए बड़ी चुनौती
❑सरकारी नौकरियों की कमी और भर्ती विवादों से युवाओं में बढ़ी है नाराजगी
❑सीमांत गांवों से पलायन को लेकर सुरक्षा और विकास दोनों पर उठ रहे सवाल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 2027 के आगामी विधानसभा चुनाव की बिसात बिछनी शुरू हो गई है। राज्य की राजनीति में पहाड़ का पानी और पहाड़ की जवानी हमेशा से केंद्र में रहे हैं। पहाड़ों के खाली होते गांव, युवाओं की बेरोजगारी और बेहतर अवसरों की तलाश में मैदानों व दूसरे राज्यों की ओर बढ़ता पलायन अब बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुका है। राजनीति में अभी तक वादों और सियासत का खेल चलता रहा है, लेकिन आगामी विधानसभा चुनाव में सियासत के 'अधूरे वादों' जो अभी तक मौन साधा है उस पर प्रश्न उठने लाजमी हैं और हो सकता है कि यह सत्ता के खेल में भारी पड़ सकता है।

उत्तराखंड राज्य गठन के समय लोगों ने उम्मीद की थी कि अलग राज्य बनने से पहाड़ों में रोजगार बढ़ेगा, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं सुधरेंगी और गांव आबाद रहेंगे। लेकिन 25 साल बाद भी तस्वीर काफी हद तक उलट दिखाई देती है। राज्य के पर्वतीय जिलोंकृपौड़ी, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ सहित अन्य जिलों में पलायन सबसे अधिक हुआ है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि पलायन सिर्फ आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सामरिक चुनौती भी बन गया है। भारत-चीन सीमा से लगे कई गांव लगभग खाली हो चुके हैं। 2024 में सामने आई एक रिपोर्ट में 11 सीमांत गांव पूरी तरह खाली पाए गए। विशेषज्ञों का मानना है कि सीमांत क्षेत्रों का खाली होना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से भी चिंता का विषय है।

उत्तराखंड का युवा आज सरकारी नौकरी, सेना भर्ती और प्रतियोगी परीक्षाओं पर सबसे ज्यादा निर्भर है। लेकिन भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक, भर्ती घोटाले और सीमित अवसरों ने युवाओं में गहरा असंतोष पैदा किया है। सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक युवाओं का गुस्सा कई बार देखने को मिला है। विशेषज्ञ मानते हैं कि राज्य में उद्योगों की कमी, पर्वतीय क्षेत्रों में निवेश न होना और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था का कमजोर होना बेरोजगारी का बड़ा कारण है। पर्यटन और सेना भर्ती पर अत्यधिक निर्भरता भी राज्य की अर्थव्यवस्था को सीमित करती है।

पलायन की स्थिति है चिंताजनक

उत्तराखंड ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग की नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार राज्य में पलायन की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। 2011 से 2022 के बीच राज्य के लगभग 1792 गांव पूरी तरह खाली हो चुके हैं, जिन्हें अब घोस्ट विलेज कहा जाता है। 2011 में यह संख्या 1034 थी। अल्मोड़ा, पौड़ी गढ़वाल और टिहरी गढ़वाल से सबसे अधिक पलायन दर्ज किया गया है। पौड़ी जिले में अकेले 1.5 लाख से अधिक लोगों ने अपने घर छोड़े हैं। लगभग 50 प्रतिशत पलायन का मुख्य कारण आजीविका के अवसरों का अभाव है। इसके बाद स्वास्थ्य और शिक्षा का स्थान आता है। पलायन करने वालों में 26 से 35 वर्ष की आयु के युवाओं की संख्या सबसे अधिक है, जो राज्य की उत्पादक शक्ति को कमजोर कर रही है।

उत्तराखंड के कई गांव अब घोस्ट विलेज कहलाने लगे हैं। गांवों में सिर्फ बंद मकान और सूने आंगन बच गए हैं। खेत बंजर हो रहे हैं और पारंपरिक खेती खत्म होती जा रही है। हालांकि कुछ गांवों ने उम्मीद भी जगाई है। बागेश्वर जिले के खाती और वाछम जैसे गांवों ने पर्यटन, होमस्टे और जड़ी-बूटी आधारित रोजगार के जरिए पलायन को काफी हद तक रोका है। यहां स्थानीय युवाओं ने गांव छोड़ने के बजाय गांव में ही रोजगार के अवसर बनाए। हालांकि सरकार यह भी दावा कर रही है कि हाल के वर्षों में रिवर्स माइग्रेशन यानी गांवों में वापसी का ट्रेंड बढ़ा है। लेकिन आंकड़े यह भी बताते हैं कि गांव लौटने वालों की संख्या अभी भी बाहर जाने वालों से काफी कम है।

प्रदेश में होने वाले आगामी चुनाव केवल सड़क और बिजली पर नहीं, बल्कि पहाड़ की स्थिरता पर टिके होंगे। यदि सरकारें पहाड़ों में लघु उद्योगों और आईटी क्लस्टर्स को बढ़ावा देने में विफल रहती हैं, तो पलायन का यह आंकड़ा आने वाले समय में उत्तराखंड की जनसांख्यिकी को पूरी तरह बदल सकता है। इससे आने वाले समय में विधानसभा सहित सभी अन्य चुनावों पर भी फर्क पड़ेगा और राजनीति पर भी।

सूनी बूढ़ी आंखों को 'लाल' का इंतजार

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पहाड़ की ऊंची चोटियों पर जब कोहरा उतरता है, तो पहाड़ के किसी दूरस्थ गांव की एक धुंधली सी खिड़की में एक बूढ़ा चेहरा टकटकी लगाए नीचे सड़क की ओर देखता मिलता है। वह सड़क जो सालों पहले उनके बेटे को साहब बनाने के लिए शहर ले गई थी। आज सड़क तो चकाचक डामर वाली हो गई है, लेकिन उस पर चलने वाले कदम अब गांव की ओर कम और शहर की ओर ज्यादा बढ़ते हैं।

उत्तराखंड के हजारों गांवों की यही कहानी है। पलायन ने सिर्फ गांव खाली नहीं किए, उसने मां-बाप के जीवन से सहारा भी छीन लिया। जिन हाथों ने बच्चों को चलना सिखाया, आज वही हाथ बुढ़ापे में सहारे को तरस रहे हैं। कई बुजुर्ग ऐसे हैं, जिनके बच्चे साल में सिर्फ एक-दो बार गांव आते हैं। पहाड़ में पलायन ने केवल गांव खाली नहीं किए, उसने बुढ़ापे का लाठी भी छीन ली है। आज उत्तराखंड के हजारों बुजुर्ग पहरेदार बनकर रह गए हैं। वह अपनी पुश्तैनी जमीन और खंडहर होते मकानों की रखवाली कर रहे हैं इस उम्मीद में कि शायद किसी मोड़ पर उनका लाल वापस आएगा।

●शहरों की नींव में दफन हो रहे हैं पहाड़ के गांवों के पुश्तैनी आंगन
●रोजगार की तलाश में शहर गए बेटे, गांव में अकेले रह गए मां-बाप
●बुजुर्ग आंखें आज भी हर बस और हर कदम में तलाशती हैं अपनों को
●आज के दौर में वीडियो कॉल को बना दिया है डिजिटल आत्मीयता

यह पहाड़ की आज की हकीकत है दो बूढ़े चेहरे एक-दूसरे को निहारते हुए रात काट लेते हैं। आज पहाड़ के गांवों में रिश्तों की डोर व्हाट्सएप वीडियो काल पर टिक गई है। रविवार के दिन जब नेटवर्क साथ देता है, तो शहर में बैठा बेटा चंद मिनटों के लिए अपने बच्चों को दादा-दादी का चेहरा दिखाता है। आज के दौर में बीमार मां या पिता को अस्पताल ले जाने के लिए अब बेटा नहीं, बल्कि गांव का कोई पड़ोसी या टैक्सी वाला सहारा बनता है।आज गांवों तक सड़क पहुँची तो उम्मीद जागी थी कि दूरियां घटेंगी। लेकिन विडंबना देखिए इन्हीं सड़कों पर सवार होकर पहाड़ की जवानी मैदानों की ओर ऐसी उतरी कि फिर मुड़कर वापस नहीं आई। पीछे छूट गए वह बूढ़े मां-बाप जिन्होंने तिनका-तिनका जोड़कर अपने बच्चों को इस काबिल बनाया कि वह शहर जा सकें। आज उन्हीं बच्चों के पास अपने उन माता-पिता के लिए वक्त नहीं है, जिन्होंने अपनी पूरी उम्र पहाड़ की पथरीली खेती और अभावों में काट दी।

किसानों को मिलेगा अब अपना डिजिटल पहचान पत्र

नई टिहरी(आरएनएस)। केंद्र सरकार के डिजिटल कृषि मिशन के तहत अब किसानों को अपनी भूमि का किसान पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। भविष्य में किसान सम्मान निधि समेत कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए यह पंजीकरण जरूरी माना जाएगा। आधार कार्ड की तर्ज पर अब किसानों को भी सरकार की ओर से एक डिजिटल पहचान किसान आईडी दी जाएगी। मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराड़ी ने बताया कि भूमि संबंधी अभिलेखों को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक किसान और काश्तकार का डिजिटल पंजीकरण किया जा रहा है। इसके तहत किसानों को अपनी भूमि का किसान पंजीकरण कराना होगा। उन्होंने बताया कि पंजीकरण के लिए ब्लॉक और न्याय पंचायत स्तर पर शिविर लगाए जाएंगे। इसके अलावा किसान जन सेवा केंद्र के माध्यम से या स्वयं मोबाइल फोन से भी पंजीकरण कर सकते हैं। इसके लिए किसानों को सरकार के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। पंजीकरण के लिए भूमि की खतौनी, आधार कार्ड और मोबाइल नंबर आवश्यक होगा।

यात्रा मार्ग पर शोपीस बना वाटर एटीएम, यात्री परेशान

नई टिहरी(आरएनएस)। चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद गंगोत्री और यमुनोत्री धाम जाने वाले यात्रियों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है लेकिन यात्रा मार्ग पर मूलभूत सुविधाओं की स्थिति अब भी सवालों के घेरे में है। चंबा-धरासू हाईवे पर कंडीसौड़ चौराहे के समीप लाखों रुपये की लागत से लगाया गया वाटर एटीएम लंबे समय से खराब पड़ा है। इससे यात्रियों और स्थानीय लोगों को ठंडा पेयजल नहीं मिल पा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित कंडीसौड़ चारधाम यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। यहां प्रतिदिन सैकड़ों वाहन रुकते हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए दो साल पहले यहां चौराहे पर 500 लीटर क्षमता का वाटर फिल्टर एटीएम लगाया गया था लेकिन लंबे समय से इसका कूलिंग सिस्टम खराब पड़ा है। चारधाम यात्रा शुरू हुए लगभग 20 दिन होने वाला है लेकिन जल संस्थान एटीएम को दुरुस्त नहीं करा पाया है। ऐसे में यात्रियों को गर्मी के बीच ठंडे पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। व्यापारी शोभन सिंह कुमाई, विजय सिंह रौतेला, रामदयाल उनियाल, केशर सिंह राणा का कहना है कि यात्रा सीजन में कंडीसौड़ से होकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के लिए गुजरते हैं। वाटर एटीएम बंद होने से यात्रियों के साथ स्थानीय लोगों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

जन्म के शुरुआती कुछ घंटे नवजात के लिए अत्यंत संवेदनशील

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। राष्ट्रीय नवजात शिशु विज्ञान मंच की पहल पर श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में राष्ट्रीय नवजात शिशु देखभाल दिवस के अवसर पर बुनियादी नवजात शिशु देखभाल प्रशिक्षण आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य नवजात शिशुओं की मृत्युदर कम करना और जन्म के तुरंत बाद मिलने वाली चिकित्सा सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाना रहा। बेस अस्पताल स्थित स्किल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना के नेतृत्व में हुआ। प्रशिक्षण में बाल रोग विभागाध्यक्ष एवं एनएनएफ के नेशनल ट्रेनर डॉ. सीएम शर्मा ने कहा कि नवजात शिशु के जन्म के बाद का पहला मिनट बेहद महत्वपूर्ण होता है। यदि जन्म के तुरंत बाद शिशु सांस नहीं ले रहा हो या रो नहीं रहा हो तो सही समय पर उचित उपचार देकर उसकी जान बचाई जा सकती है। शुरुआती कुछ घंटे नवजात शिशुओं के लिए अत्यंत संवेदनशील होते हैं। इस प्रकार के कार्यक्रमों से नवजात शिशु मृत्युदर कम करने में काफी मदद मिलेगी। इस अवसर पर डॉ. अजय आनंद गोस्वामी समेत अजूनियर रेजिडेंट डॉक्टर एवं नर्सिंग अधिकारी मौजूद रहे।

निशुल्क बिजली-पानी को लेकर बांध प्रभावितों का धरना जारी

नई टिहरी(आरएनएस)। बांध प्रभावितों कार निशुल्क बिजली पानी की मांग को लेकर बौराड़ी के गणेश चौक में 72वें दिन भी धरना तथा 12वें दिन क्रमिक अनशन जारी रहा। रविवार को गीता नेगी और मालती राणा क्रमिक अनशन पर बैठी। धरने पर बैठे लोगों ने नारेबाजी कर सरकार से शीघ्र मांग के निराकरण की मांग उठाई। जन अधिकार संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष सागर भंडारी ने कहा कि टिहरी बांध से प्रदेश सरकार को मिलने वाली 12 प्रतिशत रॉयल्टी से बांध विस्थापितों को निशुल्क बिजली-पानी साथ जिले में स्वास्थ्य, शिक्षा ओर रोजगार पर खर्चा किया जाना चाहिए। बांध प्रभावितों और विस्थापितों को कोई सुविधाएं नहीं मिल पाई। इस मौके पर देवांक चमोली, उम्मेद सिंह रावत, प्रवीन भंडारी, अशरूफी देवी, बबली देवी, रामेश्वरी देवी, मीना देवी, गैणा देवी, सरोजनी देवी, शगुफ्ता प्रवीन, प्रवीण भंडारी, उम्मेद सिंह रावत, कुंवर सिंह सजवाण आदि मौजूद थे।

खिर्सू में जल संकट : 12 से अधिक गांव, 14 दिन और पानी की एक बूंद नहीं

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। विकासखंड खिर्सू क्षेत्र के गांवों के लिए बनी ढिकवालगांव पंपिंग योजना से करीब दो सप्ताह से पेयजल आपूर्ति चरमराई हुई है जिससे क्षेत्र के कई गांवों में गंभीर पेयजल संकट हो गया है।

गर्मी के बीच ग्रामीणों को स्रोत से पीने का पानी ढोकर लाना पड़ रहा है। हालांकि विभाग योजना पर काम चलने की बात कह रहा है लेकिन धरातल पर स्थिति नहीं बदली। ग्रामीणों ने चेतावनी दी यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो जनता आंदोलन के लिए बाध्य होगी। ढिकवालगांव पंपिंग योजना ठप होने से बुघाणी, देवलगढ़, जलेथा, बलोड़ी, सरणा, सुमाड़ी, ढिकवालगांव, धरीगांव, खालू, चमरोड़ा, भेसकोट और उज्ज्वलपुर समेत खिर्सू क्षेत्र के कई गांवों में पानी की आपूर्ति प्रभावित हो गई है। कई गांवों में लोगों को दिनभर पानी का इंतजार करना पड़ रहा है जबकि कई जगहों पर नलों से एक बूंद पानी तक नहीं टपका है। बुघाणी के पूर्व प्रधान प्रमोद उनियाल दुर्गेश कुमार फौजी, गबर सिंह भण्डारी, ताजबर कुमार आदि ने जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी श्रीनगर तथा जल निगम एवं जल संस्थान के उच्चाधिकारियों से योजना से शीघ्र आपूर्ति सुचारु करने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि विभागीय अधिकारी तकनीकी खराबी का हवाला देकर लगातार मरम्मत कार्य किए जाने की बात कह रहे हैं लेकिन जमीनी स्तर पर समस्या जस की तस है। विभाग की ओर से कोई वैकल्पिक व्यवस्था तक नहीं की गई। जल संस्थान श्रीनगर के सहायक अभियंता अर्पित मित्तल ने कहा कि योजना में तकनीकी फॉल्ट आने से 5-7 दिन से यह दिक्कत बनी हुई है। समस्या के समाधान के लिए विभाग की पूरी टीम जुटी हुई है।

अब गांवों के मिनी सचिवालय बनेंगे राष्ट्र निर्माण केंद्र

हरिद्वार (आरएनएस)। राज्य सरकार की अभिनव पहल के तहत अब ग्राम पंचायतों में बने मिनी सचिवालय केवल सरकारी कामकाज तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि ग्रामीण बच्चों के चरित्र निर्माण, नैतिक शिक्षा और राष्ट्रभक्ति के केंद्र के रूप में नई पहचान बनाएंगे। जनपद में इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत हो चुकी है और रावली महदूद गांव में इसका सफल परीक्षण भी किया गया।

इस अवसर पर विधायक आदेश चौहान ने बताया कि जनपद के 25 मिनी सचिवालयों में राष्ट्र निर्माण केंद्र संचालित किए जाएंगे। इन केंद्रों में कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों को नैतिक शिक्षा, राष्ट्रभक्ति, सामाजिक बुराइयों से बचाव, खेलकूद और प्रेरणादायी गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम प्रत्येक रविवार अथवा अवकाश दिवस पर सुबह 9 बजे से 11 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

विधायक ने कहा कि बदलते सामाजिक परिवेश में बच्चों को संस्कार, अनुशासन और सकारात्मक सोच से जोड़ना बेहद जरूरी है।

गांवों में शिक्षा और संस्कार आधारित वातावरण तैयार करना समय की मांग है और यह पहल ग्रामीण बच्चों के उज्ज्वल भविष्य निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

घर-घर जागर पैसा मांगने वालों से रहें सतर्क

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। शहर में इन दिनों धर्म के नाम पर घर-घर जाकर पैसा मांगने वाले लोगों की गतिविधियों से स्थानीय लोग परेशान हैं। इस संबंध में पार्षद शुभम प्रभाकर ने लोगों से सतर्क रहने और बिना सत्यापन किसी को भी आर्थिक सहायता न देने की अपील की है। पार्षद ने बताया कि कुछ लोग खुद को राजस्थान से आया हुआ बताकर शहर के विभिन्न वार्डों में घूम रहे हैं और लोगों से रकम की मांग कर रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यह एक संगठित गिरोह भी हो सकता है। इसमें कई महिलाएं बच्चों समेत शामिल हैं। ऐसे में नागरिकों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है। वहीं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद संबंधित महिलाओं को सख्त हिदायत देकर भेज दिया गया है। उन्होंने किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल नजदीकी थाने या पुलिस को देने की अपील की।

पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। केदारनाथ धाम यात्रा को लेकर पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर के निर्देश पर पुलिस ने रात्रिकालीन चेकिंग अभियान चलाया। यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस की विभिन्न टीमें देर रात तक सक्रिय रहकर वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों की गहन तलाशी लेती रही। अभियान के तहत जनपद के प्रवेश द्वारों, मुख्य पड़ावों और संवेदनशील स्थलों पर चेकिंग की गई। वहीं होटलों और धर्मशालाओं में रुकने वाले व्यक्तियों का भी सत्यापन किया गया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले, शराब पीकर वाहन चलाने और ओवरलोडिंग करने वाले चालकों की भी जांच की गई।

44 सदस्यीय दल ने शिक्षण संस्थानों का किया भ्रमण

चमोली(आरएनएस)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के 44 सदस्यीय दल ने बागेश्वर जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण किया। मुख्य शिक्षा अधिकारी आकाश सारस्वत के नेतृत्व में भ्रमण दल ने जनपद के पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय कपकोट, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय उतरोड़ा, जूनियर हाईस्कूल पनौरागूंठ, डाइट बागेश्वर, प्राथमिक और जूनियर हाईस्कूल पिंगलों आदि का भ्रमण किया। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान उन्होंने सशक्त पुस्तकालय, रेडक्रॉस और बेसिक कंप्यूटर कोर्स आदि का अध्ययन किया। दो दिवसीय शैक्षणिक दल में बीरेंद्र सिंह कठैत, डॉ. कमलेश मिश्र, योगेंद्र बर्त्वाल, बचन लाल जितेला, डॉ. गजपाल राम, राजबलवीर बंधानी आदि मौजूद थे।

चंपावत प्रकरण पर भाजपा महिला मोर्चा का कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। चंपावत प्रकरण को लेकर भाजपा महिला मोर्चा ने जिला मुख्यालय रुद्रप्रयाग में कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया।

इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष भारत भूषण भट्ट, केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सुमन जमलोकी मौजूद रहे। विधायक ने कांग्रेस पर जनता को गुमराह करने और भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बिना किसी जांच और ठोस तथ्यों के भाजपा कार्यकर्ताओं और पार्टी की छवि खराब करने का प्रयास कर रही है। वहीं केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि भाजपा हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक व्यवस्थाओं और जनता की भावनाओं का सम्मान करती आई है जबकि कांग्रेस के कुछ नेता तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर प्रदेश की जनता को भ्रमित करने का काम कर रहे हैं।

भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास जनता के बीच जाने के लिए कोई सकारात्मक मुद्दा नहीं बचा है। इसलिए वह आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कर रही है। इस दौरान जिला महामंत्री अरुण चमोली, महिला मोर्चा जिला महामंत्री सुषमा देवी, जिला उपाध्यक्ष रोशनी रोथान, जिला मंत्री बबीता नेगी, मंजू धीरवान, कंचन देवी, पार्वती गोस्वामी, शालिनी और अनीता आदि मौजूद रहीं। वहीं कर्णप्रयाग में भी भाजपा महिला मोर्चा ने चंपावत मामले को लेकर प्रदर्शन किया। भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष पवित्रा बिष्ट के नेतृत्व में मुख्य बाजार में कांग्रेस का पुतला फूंका गया। कहा कि चंपावत मामला संवेदनशील है जिस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। इस मौके पर नगर अध्यक्ष मधु रावत, पूर्व पालिका अध्यक्ष दमयंती रतूड़ी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष आशा डिमरी, महिला मोर्चा उपाध्यक्ष सरोजनी भंडारी, जिलासू मंडल अध्यक्ष काजल भंडारी, भाजपा महिला मोर्चा सरोज हटवाल, नगर मंडल महामंत्री कांता रावत आदि मौजूद रहे।

मुंहासों को दूर करने के लिए आजमाएं टमाटर के ये उपाय

किचन में मौजूद टमाटर न सिर्फ सब्जी का स्वाद बढ़ाते हैं बल्कि ऑयली स्किन के लिए भी रामबाण की तरह काम करते हैं। टमाटर में कसैले गुण होते हैं, जो अतिरिक्त सीबम उत्पादन को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। इस प्रकार यह आपके मुंहासों को कम करने में आपकी मदद करते हैं। सबसे अच्छी बात जो टमाटर की है वह यह है कि यह स्किन के खुले हुएपोर्स को टाइट करते हैं, जिससे कि व्हाइटहेड्स और ब्लैकहेड्स से छुटकारा मिलता है। तो अगर आपको जानना है कि स्किन पर पड़े मुंहासों को जल्द कैसे दूर किया जाए तो टमाटर का इस तरह इस्तेमाल जरूर करें...

चेहरे पर करें इसे रब

अगर आपके पास नुस्खे आजमाने का समय नहीं है, तो आप यह आसान तरीका आजमा सकती हैं। आपको बस कटा टमाटर लेकर उसे सीधे अपने मुंहासों पर हल्के हाथों से रगड़ना है। इसके बाद इसे एक घंटे के लिए यूं ही छोड़ दें और फिर पानी से मुंह धोकर मॉइस्चराइज लगा लें।

जानें कैसे करता है काम

टमाटर में साइट्रिक एसिड और मैलिक एसिड होता है, दोनों त्वचा को एक्सफोलिएट करते हैं और मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाकर पोर्स को बंद करते हैं। इस प्रकार आपकी स्किन चमकदार और चिकनी बनती है।

टमाटर में मिलाकर लगाएं दही और बेसन

मुंहासों के कारण चेहरे के पोर्स बड़े दिखाई देने लगते हैं। ऐसे में अगर टमाटर के जूस को लैक्टिक एसिड के साथ मिलाकर लगाया जाए, तो पोर्स को सिकोड़ने में मदद मिलती है। वहीं, बेसन स्किन को एक्सफोलिएट करने में मदद करता है।

कैसे बनाएं फेस पैक

एक कटोरे में, दो बड़ेचम्मच टमाटर का गूदा, एक बड़ा चम्मच दही और 1 बड़ा चम्मच बेसन डालें। सभी सामग्रियों को अच्छी तरह से मिलाएं। इस फेस पैक को साफ त्वचा पर लगाएं और सूखने दें। 20 मिनट के बाद इसे धीरे-धीरे थोड़े से पानी के साथ रगड़ें। सर्वोत्तम परिणामों के लिए सप्ताह में दो बार ऐसा करें।

टमाटर के साथ खीरे का प्रयोग करें

टमाटर की तरह, खीरे में भी कसैले गुण होते हैं, जो त्वचा का पीएच संतुलन बनाए रखते हैं। दोनों को एक साथ स्किन पर लगाने से स्किन से तेल निकलना कम होता है और मुंहासों पर रोक लगती है।

कैसे बनाएं फेस पैक

टामटर और खीरे को कद्दूकस कर इसका रस निकालें। फिर इसे एक साथ मिलाकर चेहरे पर कॉटन की मदद से लगा सकते हैं। इसका उपयोग सप्ताह में दो या तीन बार टोनर-कम-फेस पैक के रूप में करें। लेकिन इसे हमेशा साफ त्वचा पर ही लगाएं और आधे घंटे के बाद धो लें।

शिशु को पसंद नहीं है नहाना तो वो देता है कुछ ऐसे संकेत

दिन की शुरुआत और रात को सोने से पहले नहाना बुहत अच्छा माना जाता है। साफ सफाई के अलावा इससे शरीर रिलैक्स रहता है और नींद भी अच्छी आती है। हालांकि, कुछ बच्चों को नहाना पसंद नहीं होता है और इसके कई कारण हो सकते हैं। बच्चे के नहाते समय रोने की भी कई वजह हो सकती हैं।

नवजात शिशु को सप्ताह में दो से तीन पर स्पॉन्ज बाथ दे सकते हैं। जहां पर शिशु को नहला रहे हैं, वहां का तापमान गर्म होना चाहिए। बच्चे को तौलिए में लपेट कर रखें और सिर्फ उस हिस्से को बाहर निकालें जिसे साफ करना हो। जब तक कि अम्बिलिकल स्टंप खुद नहीं गिर जाती, तब तक इसे सूखा रहें ताकि कोई संक्रमण न हो। अम्बिलिकल कॉर्ड गिरने के बाद आप अपने शिशु को रोज बाथ टब में नहला सकते हैं। शुरुआत में स्पॉन्ज बाथ ही दें, इससे बच्चे को नहाने की आदत हो जाती है। आप अपनी मर्जी से बच्चे को सुबह या शाम के समय नहला सकती हैं।

अगर बच्चे की आंख में साबुन या पानी चला जाए तो आपको इसकी जानकारी देने के लिए वो रोने लगते हैं। पानी बहुत गर्म या ठंडा हो या नहाने का कमरा बहुत ठंडा हो या बच्चे को तौलिये में ठीक तरह से लपेटा न गया हो तो भी बच्चे रोने लगते हैं। खाली पेट या भूख लगने पर भी बच्चों को नहाने में मजा नहीं आता है। नहाने से पहले बच्चे का पेट भरा होना चाहिए और उसे डकार आ जानी चाहिए। अगर बच्चा चिड़चिड़ा हो रहा है तो उसे तब न नहलाएं।

यदि नहाते समय बच्चे को सहज महसूस नहीं होता या उसे कोई डर सताता है तो वो रोकर या इधर उधर मचल कर नहाने से दूर भागने लगता है। अगर एक बार नहाने के समय उन्हें कोई बुरा अनुभव हो जाए तो इससे उनके मन में नहाने को लेकर डर बैठ सकता है। कुछ बच्चों को पानी की आवाज भी डराती है। शिशु नहाने को एंजॉय कर सके इसलिए उसके बाथ टब में उसके पसंदीदा खिलौने रखें। पानी ज्यादा ठंडा या गर्म नहीं होता चाहिए लेकिन अगर पानी ठंडा है तो बच्चे को पानी से निकालते ही मुलायम तौलिए में लपेट दें। यदि प्रीमैच्योर शिशु है यानी उसका जन्म प्रेगनेंसी के 37वें सप्ताह से पहले हो गया है तो शिशु को कुछ दिनों तक न नहलाएं। शिशु की त्वचा पर जो सफेद परत होती है यानी वर्निक्स कैसिओसा को न हटाएं। इसे खुद शिशु की त्वचा में अवशोषित होने दें। बच्चे के बालों को माइल्ड शैंपू से धोएं। साबुन को बच्चे के चेहरे पर न आने दें।

क्या महिलाओं को जिम में नहीं करनी चाहिए ये एक्सरसाइज?

महिलाओं के लिए जिम जाना या व्यायाम करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन कई बार हमें कुछ ऐसी गलत धारणाएं सुनने को मिलती हैं, जो हमारे मन में कई सवाल खड़े कर देती हैं। इस लेख में हम कुछ ऐसी ही गलत धारणाओं को दूर करेंगे, ताकि महिलाएं सही जानकारी के आधार पर अपनी फिटनेस यात्रा शुरू कर सकें।

क्या भारी वजन उठाने से मांसपेशियां बड़ी हो जाती हैं?

एक आम धारणा यह है कि भारी वजन उठाने से महिलाओं की मांसपेशियां बहुत बड़ी हो जाती हैं। यह सच नहीं है। महिलाओं का शरीर पुरुषों की तरह मांसपेशियों को बढ़ाने वाले हार्मोन से संपन्न नहीं होता, जिससे उनकी मांसपेशियां बहुत बड़ी हो सकें। महिलाएं भारी वजन उठाकर अपनी मांसपेशियों को टोन कर सकती हैं, लेकिन वे इतनी आसानी से बड़ी नहीं होंगी। इसलिए महिलाएं बिना किसी डर के भारी वजन उठा सकती हैं।

क्या कार्डियो ही सबसे अच्छा व्यायाम है?

कई लोग मानते हैं कि कार्डियो ही सबसे अच्छा व्यायाम है और इससे ही वजन कम होता है। हालांकि, यह सही है कि कार्डियो वजन घटाने में मदद करता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि अन्य व्यायाम अहम नहीं होते। वजन उठाना, योगा या पिलाटिस जैसी व्यायाम भी बहुत फायदेमंद होते हैं। इसके अलावा शरीर की एनर्जी को बढ़ाने के लिए कार्डियो के साथ-साथ मांसपेशियों की व्यायाम भी जरूरी है।

क्या महिलाएं स्क्वाट और डेडलिफ्ट जैसी व्यायाम न करें?

बहुत से लोग महिलाओं को स्क्वाट और डेडलिफ्ट जैसी व्यायाम करने से मना करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे शरीर का आकार बिगड़ जाएगा या मांसपेशियां बहुत बड़ी हो जाएंगी। यह पूरी तरह गलत है। सही तरीके से की गई व्यायाम से न केवल मांसपेशियां मजबूत होती हैं, बल्कि शरीर का संतुलन भी बेहतर होता है। इसके अलावा ये व्यायाम दिल की सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती हैं।

क्या स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने पर वजन बढ़ जाता है?

कई लोग मानते हैं कि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने पर वजन बढ़ जाता है, जबकि असलियत में ऐसा नहीं होता।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर का संतुलन बेहतर होता है। इससे वजन कम करने में मदद मिलती है। इसलिए महिलाओं को चाहिए कि वे इन गलत धारणाओं से प्रभावित न हों और सही जानकारी के आधार पर अपनी फिटनेस यात्रा जारी रखें। इससे न केवल उनका स्वास्थ्य बेहतर होगा बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

चॉकलेट खाने से कम होता है दिल की बीमारी का खतरा

चाकलेट खाना आपके हार्ट के लिए अच्छा है. यह बात एक रिसर्च में पता चली है. रिसर्च में कहा गया है कि सप्ताह में कम से कम एक बार चॉकलेट खाने से दिल की बीमारी का खतरा कम हो जाता है. यूरोपियन जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन से पता चलता है कि चॉकलेट हार्ट की ब्लड वेसल को हेल्दी रखने में मदद करती है.

इसेक पहले हुए रिसर्च में पता चला था कि चॉकलेट ब्लड प्रेसर और ब्लड वेसल लाइनिंग दोनों के लिए फायदेमंद है. रिसर्च को लीड करने वाले अमेरिका के बायलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन के चयक्रिट क्रिटाननॉन्ग का कहना है कि मैं यह देखना चाहता था कि क्या यह हार्ट (कोरोनरी आर्टरिज) की आपूर्ति करने वाली रक्त वाहिकाओं को प्रभावित करता है या नहीं. और यदि ऐसा होता है, तो क्या यह फायदेमंद या हानिकारक है?

शोधकर्ता ने पिछले पांच दशकों से चॉकलेट की खपत और कोरोनरी आर्टरी डिजीज (कोरोनरी धमनियों के रुकावट) के बीच संबंध की जांच के अध्ययन का एक कंबाइड एनालिसिस किया. एनालिसिस की 6 स्टडी में 336,289 लोगों ने भाग लिया. इन्होंने अपने चॉकलेट कंज्यूम करने के बार में बतया. लगभग नौ वर्षों में, 14,043 लोगों में आर्टरी डिजीज हुई और 4,667 लोगों को दिल का दौरा पड़ा.

शोध में कहा गया है कि सप्ताह में एक बार से ज्यादा टाइम में चॉकलेट खाने से आठ प्रतिशत आर्टरी डिजीज का खतरा कम होता है. क्रिटानानॉन्ग ने बताया कि चॉकलेट में हार्ट को स्वस्थ रखने वाले पोषक तत्व होते हैं जैसे कि फ्लेवोनोइड, मिथाइलक्सैन्थिन, पॉलीफेनोल और स्टीयरिक एसिड जो सूजन को कम कर सकते हैं और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ा सकते हैं.

कौनसी चाकलेट खाएं

शोधकर्ताओं की टीम ने इस बात की जानकारी नहीं दी है कि कौन सी चाकलेट खाना सबसे अच्छा रहेगा. उन्होंने कहा कि शोध में इस बात का पता लगाने की कोशिश नहीं की गई कि कौन सी चाकलेट अधिक फायदेमंद होगी. स्टडी ऑथर्स ने लिखा, कोरोनरी आर्टरी डिजीज को रोकने के लिए चॉकलेट अच्छी है, लेकिन यह पता लगाने के लिए अधिक रिसर्च की आवश्यकता है कि कितनी और किस तरह की चॉकलेट रिकमंड की जाये

शोध में यह नहीं बताया गया कि कितना मात्रा में चाकलेट खानी चाहिए. शोधकर्ताओं ने अधिक चाकलेट ना खाने के लिए कहा है. उनके अनुसार, मध्यम मात्रा में चॉकलेट कोरोनरी धमनियों की रक्षा करता लगता है, लेकिन ज्यादा मात्रा में चाकलेट खाना नुकसान पहुंचा सकता है.

शब्द सामर्थ्य -030

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

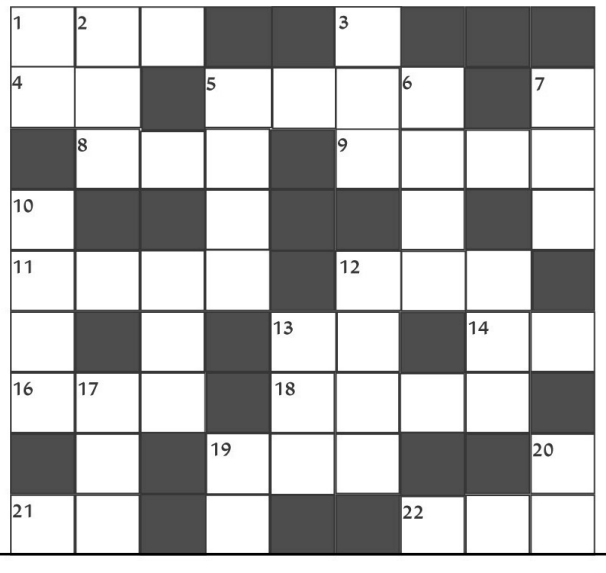

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 29 का हल

पं	क्ति	■	स्वा	द	■	स	ब	ब
जा	■	सु	हा	ना	■	■	ली	द
ब	हु	धा	■	द	ल	ना	■	ल
■	■	क	मा	न	■	ग	ह	ना
भं	व	र	■	■	■	वा	म	■
गी	त	■	म	ज	बू	र	■	ट
■	न	म	स्का	र	■	■	■	र
■	■	र्या	■	■	बी	■	ना	का
सं	वि	दा	■	ब	स	च	ल	ना

मनोज बाजपेयी की फिल्म गवर्नर 12 जून को रिलीज होगी

विपुल अमृतलाल शाह ने कई लीक से हटकर फिल्में दी हैं और अब वो एक और दिलचस्प प्रोजेक्ट लेकर आने के लिए तैयार हैं। ताजा अपडेट के मुताबिक, उनकी आने वाली फिल्म के पोस्टर्स सामने आ गए हैं, जिसमें फिल्म के नाम के साथ-साथ एक रहस्यमयी सस्पेंस भी नजर आ रहा है। गवर्नर- द साइलेंट सेवियर नाम की इस फिल्म के पोस्टर के साथ ही लोगों के बीच जबरदस्त उत्सुकता पैदा कर दी है। बिना ज्यादा कुछ बताए बहुत कुछ कह जाने वाला गवर्नर- द साइलेंट सेवियर का यह पहला पोस्टर रिवील कर दिया गया है, जिसे चिन्मय मांडलेकर ने डायरेक्ट किया है। इसमें मनोज बाजपेयी पीछे से नजर आ रहे हैं, जो हाथ में एक सूटकेस लिए कॉरिडोर में चल रहे हैं। इसके साथ ही फिल्म की टैगलाइन है, अगर मैं फेल हुआ।।। तो इंडिया फेल हो जाएगा, जो एक हाई-वोल्टेज लीगल ड्रामा की तरफ इशारा करती है। एक दूसरे पोस्टर में, एक हरी कुर्सी को हाईलाइट किया गया है, जिस पर टैगलाइंस लिखी हैं, इंडिया दिवालिया होने की कगार पर है और यह सिर्फ कुर्सी नहीं।।। ज़िम्मेदारी है, यह देश के इर्द-गिर्द बुनी गई एक गंभीर और गहरी कहानी की ओर इशारा करता है। यह फिल्म विपुल अमृतलाल शाह और मनोज बाजपेयी का पहला साथ काम होगा। जब ये दो नेशनल अवॉर्ड विनर्स एक साथ आ रहे हैं, तो वाकई यह एक अलग तरह का सिनेमाई जादू होने वाला है, जो बड़े पर्दे पर रिलीज के लिए तैयार है। मनोज बाजपेयी के जन्मदिन पर फिल्म का पोस्टर रिलीज होने से यह मौका वाकई और भी खास हो गया है। अपनी बेहतरीन एक्टिंग, जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस और किरदारों पर अपनी पकड़ के लिए मशहूर मनोज बाजपेयी, इस फिल्म में भी एक यादगार परफॉर्मेंस देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने पहले ही अपनी शानदार एक्टिंग से इंडस्ट्री में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म एक और इंटेंस ड्रामा होने का वादा करती है। इस फिल्म के साथ विपुल अमृतलाल शाह एक बार फिर एक दिलचस्प कहानी लेकर वापस आ रहे हैं। इसके अलावा, फिल्ममेकर का मनोज बाजपेयी के जन्मदिन पर पोस्टर रिलीज करना साउथ इंडस्ट्री के उस ट्रेंड की याद दिलाता है, जहां एक्टर्स के जन्मदिन पर फिल्म की खास झलकियां शेयर की जाती हैं, जो फैंस के लिए इस तारीख को यादगार बना देता है।

विपुल अमृतलाल शाह के प्रोडक्शन वाली फिल्म गवर्नर- द साइलेंट सेवियर को सनशाइन पिक्चर्स द्वारा पेश किया गया है। विपुल अमृतलाल शाह द्वारा प्रोड्यूस और चिन्मय मांडलेकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म के को-प्रोड्यूसर आशिन ए। शाह हैं। फिल्म की कहानी सुवेंदु भट्टाचार्जी, सौरभ भरत, रवि असरानी और विपुल अमृतलाल शाह ने मिलकर लिखी है। जावेद अख्तर के बोल के साथ, फिल्म का म्यूजिक अमित त्रिवेदी ने तैयार किया है।

कांतारा अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत का मिस्ट्री वाला वैनिटी पोस्ट!

अपने करियर के दमदार फेज़ के बाद, रुक्मिणी वसंत ने एक ऐसा क्रिप्टिक सोशल मीडिया पोस्ट डाला है कि इंडस्ट्री में हलचल मच गई है-थोड़ा सा टीज़, लेकिन असली राज़ पूरी तरह सीक्रेट! हाल ही में एक्टर ने अपनी वैनिटी से एक शांत सा, बिहाइंड-द-सीन्स झलक शेयर की, जो साफ-साफ तो कुछ नहीं बताती, लेकिन सेट पर होने का हिंट ज़रूर देती है। फोटो खुद में सिंपल थी, लेकिन टाइमिंग ऐसी कि फैंस और इंडस्ट्री वाले दोनों ही डिटेक्टिव मोड में चले गए-आखिर ये किस प्रोजेक्ट की शूटिंग चल रही है? रुक्मिणी की ये उड़ान उनके हालिया परफॉर्मेंस की जबरदस्त तारीफ के बाद और तेज़ हो गई है, जिसे उनके करियर का टर्निंग पॉइंट माना जा रहा है। स्क्रीन पर उनकी पकड़ ने उन्हें साउथ इंडियन सिनेमा की सबसे एक्साइटिंग टैलेंट्स में शामिल कर दिया है। उनके सबसे चर्चित प्रोजेक्ट्स में से एक है टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स, जिसमें वो यश के साथ नज़र आएंगी और डायरेक्शन है गीतू मोहनदास का। फिल्म में रुक्मिणी मेलिसा' का किरदार निभा रही हैं-एक ऐसा कैरेक्टर जो रहस्यमयी है, इमोशनल लेयर्स से भरा है और कहानी के डार्क, फेयरीटेल जैसे वर्ल्ड का अहम हिस्सा है। फिल्म 4 जून 2026 को रिलीज़ होने वाली है। इसके अलावा, वो जूनियर एनटीआर के साथ एनटीआरनील में भी दिखाई देंगी, जो प्रशांत नील द्वारा डायरेक्टेड एक एक्शन ड्रामा है। इस पीरियड फिल्म में उनका रोल फीमेल लीड के तौर पर कन्फर्म हो चुका है। कन्नड़ सिनेमा में भी रुक्मिणी ने केवीएन प्रोडक्शन्स के साथ एक अनटाइटल्ड फिल्म साइन की है, जिसे हेमंत एम। राव डायरेक्ट कर रहे हैं-ये उनकी तीसरी कोलैबोरेशन होगी सप्त सागरदाचे एलो' के बाद। फिलहाल, रुक्मिणी ने अपने पत्ते छुपा कर रखे हैं-बस एक छोटी सी वैनिटी झलक से सबको सस्पेंस में डाल दिया हैज् और अब सबकी नज़र बस इसी पर है-आगे क्या?

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

नेशनल क्रश बनने के बाद भी मेधा शंकर को नहीं मिले शादी के प्रपोजल!

मेधा शंकर इन दिनों अपनी फिल्म जिन्नी वेड्स सनी 2 को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म में दिल्ली की एक चुलबुली लड़की और एक छोटे शहर के शर्मीले लड़के की कहानी को दिखाया गया है।फिल्म में अरेंज मैरिज की मुश्किलों पर फोकस किया गया है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान ऐसे लोगों के बारे में बात की जो अलग-अलग पर्सनैलिटी के होने के बाद भी एक-दूसरे की तरफ आकर्षित हो जाते हैं।

मेधा ने कहा,हां, मैं ऐसा मानती हूं।अगर दो लोगों की पर्सनैलिटी अलग-अलग हो, तो उनमें अट्रैक्शन हो सकता है। लेकिन, उनके वैल्यूज सेम होने चाहिए।मालूम हो मेधा की फिल्म 12वीं फेल जब हिट हुई थी, तब लोगों ने उन्हें नेशनल क्रश का टैग दे दिया था।लेकिन, नेशनल क्रश बनने के बाद भी एक्ट्रेस को एक भी प्रपोजल नहीं मिला।

मेधा ने बताया कि 12वीं फेल से पहले उनके रिश्तेदार अक्सर रिश्ता लेकर आया करते थे। वो चाहते थे कि एक्ट्रेस लड़कों से मिलें और अरेंज मैरिज करें। मेधा ने कहा,पहले वो बार-बार इस बारे में बात करते थे। उन्हें नहीं लगता था कि मैं अपने करियर में सक्सेसफुल हो पाऊंगी।उन्हें लगता था कि एक्टिंग सिर्फ मेरा शौक है और चार साल के बाद मैं घर वापस लौट जाऊंगी।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 12वीं फेल के बाद मेरी लाइफ में सबकुछ बदल गया।रिश्तेदारों को लगने लगा कि मेरा करियर कहीं न कहीं आगे बढ़ रहा है।इसलिए अब कोई भी मेरे लिए शादी के रिश्ते नहीं लाता।

मेधा ने आगे कहा कि उनका परिवार हमेशा उनके सपोर्ट में रहता है और शादी को लेकर प्रेशर क्रिएट नहीं करता है।मेधा ने कहा,मेरे पापा ने कभी भी शादी को लेकर मेरे ऊपर दवाब नहीं बनाया। मैं इस मामले में खुद को लकी मानती हूं। हां, वो इतना जरूर कहते हैं कि सही समय पर और सही इंसान से शादी कर लेना। वो समझते हैं कि फिलहाल मेरा काम ज्यादा जरूरी है। अभी शादी में वक्त है, लेकिन आगे चलकर मैं शादी जरूर करूंगी।

आलिया कुरैशी कौन हैं? विजय वर्मा के साथ सैर-सपाटे पर निकलकर बटोरी चर्चा

अभिनेमा विजय वर्मा की सीरीज मटका किंग का प्रीमियर अमेजन प्राइम वीडियो पर हो चुका है। इस सीरीज से चर्चा बटोरने के अलावा, अभिनेता अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। दरअसल, हाल ही में विजय को एक लड़की के साथ देखा गया। बस फिर क्या सोशल मीडिया पर लोगों ने उन्हें लेकर अटकलें लगानी शुरू कर दीं। फैंस जानने के लिए बेताब हैं कि आखिर अभिनेता के साथ दिखी रहस्यमयी लड़की कौन है।

मुंबई में एक रेस्टोरेंट के बाहर विजय के साथ नजर आई रहस्यमयी लड़की असल में अभिनेत्री आलिया कुरैशी हैं। अभिनय के अलावा, आलिया को गायिकी के लिए भी जाना जाता है। उन्होंने करियर की शुरुआत फरहान अख्तर द्वारा निर्मित सीरीज इटर्नली कन्फ्यूज्ड एंड ईगर फॉर लव से की थी। बंदिश बैंडिट्स सीजन 2 के बाद आलिया ने शाहरुख खान की फिल्म जवान से बड़े पर्दे पर दस्तक दी। इसमें उन्होंने जानवी नाम की लड़की का किरदार निभाया था।

उधर विजय और आलिया को साथ देखकर सोशल मीडिया यूजर्स ने अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी। कई लोग सवाल पूछ रहे हैं कि क्या दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं? कुछ ने तो दोनों को बधाई देनी शुरू कर दी। फिलहाल, सवालों की बौछार पर विजय या आलिया की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बता दें, विजय पहले तमन्ना भाटिया के साथ रिश्ते में रह चुके थे। 2025 में दोनों ने ब्रेकअप कर लिया था।

संस्कृत भाषा भारतीय संस्कृति की आधारशिला : दीपक कुमार गैरोला

अल्मोड़ा (आरएनएस)। संस्कृत शिक्षा विभाग के सचिव दीपक कुमार गैरोला ने आदर्श संस्कृत ग्राम जैली (पांडे कोटा) का निरीक्षण किया। इस दौरान ग्रामवासियों ने उनका पारंपरिक स्वागत किया। गांव के प्रवेश द्वार से लेकर संस्कृत विद्यालय तक छात्र-छात्राओं और स्थानीय महिलाओं ने स्वागत गीतों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अतिथियों का अभिनंदन किया। निरीक्षण के दौरान सचिव ने गांव में संचालित संस्कृत शिक्षा और उससे जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी ली। ग्रामवासियों से संवाद करते हुए उन्होंने संस्कृत भाषा और संस्कृति के संरक्षण में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि संस्कृत केवल भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपरा की मूल आधारशिला है तथा इसके प्रचार-प्रसार के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बालिकाओं के लिए संचालित संस्कृत शिक्षा कार्यक्रमों की जानकारी लेते हुए कहा कि संस्कृत शिक्षा बालिकाओं के व्यक्तित्व विकास और सांस्कृतिक जागरूकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस दौरान गांव में छात्राओं के लिए संचालित विभिन्न शैक्षिक प्रयासों की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में संस्कृत विद्यालय की छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें उपस्थित लोगों ने सराहा। कार्यक्रम का संचालन उत्तराखंड संस्कृत संस्थान हरिद्वार के शोध अधिकारी डॉ. हरिश चंद्र गुरुरानी ने किया।

मोलधार-चापड़ा सड़क निर्माण करने की मांग

उत्तरकाशी(आरएनएस)। जौनपुर ब्लॉक के मोलधार गांव से थौलधार के चापड़ा तक स्थानीय लोगों ने सड़क स्वीकृत करने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क बनने से जौनपुर, थोलधार ब्लॉक के अलावा उत्तरकाशी जिले के कई गांव आपस में जुड़ने से आवाजाही सुगम होगी। जौनपुर ब्लॉक के सेवानिवृत्त कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष खेमराज भट्ट, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सोमवारी लाल नौटियाल, मोलधार ग्राम प्रधान गजेंद्र दत्त रतूड़ी, पूर्व प्रधान कमल नौटियाल, प्रियंका देवी ने कहा कि मोलधार-चापड़ा सड़क बनने से टिहरी जिले के जौनपुर क्षेत्र, थौलधार ब्लॉक की बिष्ट और उत्तरकाशी के हाथड़ पट्टी जौनपुर ब्लॉक थत्यूड़ से जुड़ जाएगी। उत्तरकाशी जिले की वनचौरा सड़क जुडने से उत्तरकाशी और बड़कोट से मसूरी और देहरादून जाने लोगों के लिए 40 से 45 किलोमीटर का सफर कम हो जाएगा। बताया पर्यटन की दृष्टि से इस सड़क निर्माण जरूरी है। मोलधार से तीन किलोमीटर की दूरी पर जौनपुर क्षेत्र का गुड़ियापा पर्यटन स्थल है, जहां पर नाग देवता का प्राचीन मंदिर है। यह स्थान बेहद रमणीक होने के साथ यहां से हिमालय पर्वत और टिहरी झील का सुंदर दृश्य भी दिखाई देते हैं। सड़क बनने से पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार की संभावना भी बढ़ेगी। उन्होंने शासन-प्रशासन से मोलधार-चापड़ा सड़क की स्वीकृति दिलाने की मांग उठाई है।

सू- दोकू क्र.030

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 29 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

महंगाई भत्ता किस्त शीघ्र घोषित करने की मांग

ऋषिकेश(आरएनएस)। सेवानिवृत्त राजकीय पेंशनर्स संगठन मुनिकीरेती ने बैठक की। संगठन सदस्यों ने महंगाई भत्ता की किस्त शीघ्र घोषित करने, चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिलों के भुगतान में देरी और हिल्ट्रोन तिराहे से अतिक्रमण हटाने समेत अन्य मांगों को उठाया। उन्होंने सभी अस्पताल में गोल्डन कार्ड योजना को लागू करने की मांग भी की।

ढालवाला में सेवानिवृत्त राजकीय पेंशनर्स संगठन मुनिकीरेती की बैठक आयोजित हुई, जिसमें सदस्यों ने महंगाई भत्ता की किस्त घोषित नहीं होने पर कड़ा आक्रोश जाहिर किया। अध्यक्ष शूरवीर सिंह चौहान ने कहा कि राजकीय पेंशनर्स की समस्याओं पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है। लंबे समय से गोल्डन कार्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के लाभ को लेकर विभिन्न परेशानियां आ रही हैं। समय पर चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिलों का भुगतान नहीं किया जा रहा है। अधिकांश अस्पतालों में गोल्डन कार्ड की योजना लागू नहीं है। इससे पेंशनर्स को तमाम तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस बाबत लिखित तौर पर कई दफा सरकार को अवगत भी कराया गया है। बावजूद, सरकार इन मुद्दों पर कोई भी ठोस कार्रवाई करते नहीं दिख रही है। महंगाई भत्ते की किस्त शीघ्र करने की मांग दोहराते हुए उन्होंने गोल्डन कार्ड योजना को भी सभी अस्पतालों में लागू कर ओपीडी की सुविधा को भी मुफ्त करने की मांग की।

सचिव भगवती प्रसाद उनियाल ने कहा कि ढालवाला के हिल्ट्रोन तिराहा पर अतिक्रमण से क्षेत्रवासी परेशान हैं। तिराहे से गुजरते हुए लोगों को हरवक्त दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। व्यस्ततम तिराहे पर अतिक्रमण को लेकर शिकायत पर भी नगरपालिका प्रशासन कार्रवाई करता नजर नहीं आया है। उन्होंने एक बार फिर अतिक्रमण के खिलाफ आवाज उठाते हुए कहा कि जल्द ही तिराहे की घेरबाड़ नहीं हटी, तो पेंनशर्स आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। कहा कि पेंशनर्स भी इस तिराहे का उपयोग आवागमन में करते हैं।

मौके पर शीला रतूडी, महालक्ष्मी बिजल्वाण, पुष्पा उनियाल, राधारानी बिष्ट,जसवंती, खुशहाल सिंह राणा, गुरुप्रसाद बिजल्वाण, हृदयराम सेमवाल, देवेंद्रदत्त जोशी, कैलाश चन्द्र पैन्यूली, विशालमणि पैन्यूली, धनसिंह रांगड, दिगम्बर प्रसाद वेदवाल, लक्ष्मणसिंह नेगी, प्रेमबहादुर थापा, कन्हैया लाल सेमवाल, गोपालदत्त खंडूड़ी, शिव दयाल उनियाल, भास्कर पैन्यूली, हंसलाल असवाल, जयपाल सिंह नेगी, जितेन्द्र सिंह कंडारी, बलवीर पंवार, दर्मियान सिंह रावत, सहदेव लाटियान, सीएस मनवाल, कृष्ण कुमार वर्मा, अब्बल सिंह चौहान, कैलाशनाथ गोस्वामी, प्रेम सिंह, विशालमणि ममगाईं, सत्येन्द्र रावत, अरविन्द सिंह तोमर, गोरा सिंह पोखरियाल, जगमोहन थलवाल आदि उपस्थित रहे।

शिक्षकों के नियम विरुद्ध स्थानांतरण से संघ नाराज

कोटद्वार(आरएनएस)। राजकीय शिक्षक संघ गढ़वाल मंडल शाखा ने प्रतिवर्ष वार्षिक स्थानांतरण के तहत होने वाले स्थानांतरण पर लगी रोक के बावजूद सिफारिश पर स्थानांतरण होने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। शिक्षक संघ के मंडलीय अध्यक्ष जयदीप रावत, मंत्री मनमोहन सिंह चौहान ने प्रतिवर्ष वार्षिक स्थानांतरण के तहत शिक्षकों के स्थानांतरण करने की मांग को लेकर माध्यमिक शिक्षा निदेशक एवं प्रांतीय नेतृत्व को ज्ञापन भेजा है। उन्होंने ज्ञापन में कहा कि प्रदेश का समस्त शिक्षक समाज शासन से प्रतिवर्ष वार्षिक स्थानांतरण के तहत स्थानांतरण की मांग कर रहा है लेकिन उनकी एक भी बात नहीं सुनी जा रही है। वहीं दूसरी ओर स्थानांतरण पर लगी रोक के बावजूद ऊंची पहुंच रखने वाले शिक्षकों के लगातार स्थानांतरण हो रहे हैं, जिससे अन्य शिक्षकों में भारी आक्रोश बना हुआ है। शिक्षक नेताओं ने कहा कि एक ओर जहां शिक्षक विगत कई वर्षों से दुर्गम में अपनी सेवाएं दे रहे हैं वहीं जिस पद पर नियुक्त हो रहे हैं पदोन्नति व स्थानांतरण न होने से उसी पद से सेवानिवृत हो रहे हैं।

39.86 करोड़ से बनेगी तिलवाड़ा पेयजल योजना, 30 हजार की आबाद को लाभ

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। नगर पंचायत क्षेत्र तिलवाड़ा के लिए पेयजल योजना के लिए 39.86 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है। इस योजना के बनने से 30 हजार लोगों को पेयजल की सुविधा मिलेगी। इसमें एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तथा दो टैंक बनाए जाएंगे। वर्ष 2019 में तिलवाड़ा पेयजल योजना की डीपीआर शासन को भेजी गई थी जिसकी स्वीकृति अब मिली है। योजना के तहत लस्तर के पांजड़ा स्रोत से पानी को टेप किया जाएगा। योजना में क्षेत्र को दो जोन में बांटा गया है और यहां दो टैंक बनाए जाएंगे जिसमें रामपुर, तिलवाड़ा, मैठाणा, धारकोट के लिए एक टैंक बनेगा और सुमाड़ी के लिए अलग टैंक बनेगा। दोनों क्षेत्रों के लिए अलग-अलग पेयजल लाइन बनेगी। कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तिलवाड़ा नगर पंचायत पेयजल योजना के लिए 39.86 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है। तिलवाड़ा क्षेत्र लंबे समय से पेयजल समस्या से जूझ रहा था। इस योजना के बनने से क्षेत्र के हजारों लोगों को शुद्ध पानी मिल सकेगा।

लकड़ी और डीजल की भट्टियों पर बनेगा लंगर

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। 23 मई को हेमकुंड साहिब के कपाट खुलने हैं। इसके लिए 20 मई को ऋषिकेश से पहला जत्था शाम को श्रीनगर पहुंचेगा और 21 मई की सुबह गोविंदघाट के लिए रवाना होगा। इस यात्रा सीजन में गैस सिलिंडरों की कमी ने गुरुद्वारा प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। ऐसे में गुरुद्वारे में अब लकड़ी और डीजल भट्टियों का सहारा लिया जा रहा है। श्रीनगर गुरुद्वारा कमेटी के प्रबंधक हरविंदर सिंह लक्की ने बताया कि यात्रा के लिए गुरुद्वारे में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सामान्य दिनों में गुरुद्वारे को हर महीने करीब 70 गैस सिलिंडर मिलते हैं लेकिन इस बार इंडियन गैस एजेंसी से केवल 10 से 12 सिलिंडर ही मिले हैं। ऐसे में लंगर की व्यवस्था बनाए रखना बड़ी चुनौती है। लक्की ने बताया कि यात्रा सीजन में गुरुद्वारे में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 800 से अधिक पहुंच जाती है जबकि जून और जुलाई में प्रतिदिन करीब 900 से 1000 यात्री श्रीनगर में रात्रि विश्राम करते हैं।

सीएचसी चैलूसैंण : बदहाल हो रहा अस्पताल और चरमरा रही सेवाएं

कोटद्वार(आरएनएस)। विकासखंड द्वारीखाल के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चैलूसैंण का भवन जहां रखरखाव के अभाव में दिनोंदिन बदहाल हो रहा है वहीं स्वास्थ्य सेवाएं भी चरमरा रही है। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हैं।

यमकेश्वर विधानसभा क्षेत्र के द्वारीखाल ब्लॉक में वर्ष 2015 में क्षेत्रीय ग्रामीणों को उचित स्वास्थ्य लाभ देने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चैलूसैंण की स्थापना की गई थी। भवन की छत में टाइल्स न होने से बरसात में स्थिति खस्ताहाल हो जाती है। चिकित्सकों के कक्षों में रिसाव हो रहा है।

चहारदीवारी भी क्षतिग्रस्त होने से पशु परिसर में पहुंच जाते हैं। वहीं, स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी स्वास्थ्य विभाग गंभीर नजर नहीं आ रहा है। सीएचसी में तीन पुरुष व तीन महिला चिकित्सकों की तैनाती की गई है। तीन स्टाफ नर्सों की भी यहां तैनाती की गई है लेकिन वर्तमान में वह दूसरे चिकित्सालयों में अटैच हैं। सफाईकर्मी भी तीन वर्षों से नहीं है।

शौचालयों, लेबर रूम, परिसर की नियमित सफाई नहीं हो रही है। ब्रिटिश काल में निर्मित अतिरिक्त पीएचसी भवन भी जर्जर स्थिति में है। ध्वस्तीकरण नहीं होने से दुर्घटना का खतरा बना है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत लगाए गए कर्मचारी पीएचसी डाडामंडी में बैठ रहे हैं। बाल, महिला व शल्य चिकित्सकों की कमी बनी हुई है, जबकि अस्पताल में विभिन्न क्षेत्रों से रोजाना कई मरीज पहुंचते हैं।

सीएमओ डॉ. शिवमोहन शुक्ला ने बताया कि डाडामंडी पीएचसी में ब्लॉक स्तर के लैब का जो निर्माण कार्य कराया जाना था उस आदेश को निरस्त कर उसका निर्माण सीएचसी चैलूसैंण में कराया जाएगा। तीन स्टाफ नर्सों को अन्यत्र संबद्ध करने का मामला संज्ञान में आया है। एनएचएम के स्टाफ को डाडामंडी के स्थान पर सीएचसी चैलूसैंण में बैठने के आदेश दिए गए थे। आदेश की अनदेखी पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। तीन वर्षों से नदारद है सफाईकर्मी के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी।

टिहरी में मिली तलवारों और हथियारों की हुई वैज्ञानिक जांच

हमारे संवाददाता

देहरादून। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने आखिरकार 2015 में टिहरी के एक दूरदराज के गाँव में मिली तलवारों और हथियारों की वैज्ञानिक जाँच पूरी कर ली है। टिहरी गढ़वाल के पेपोला ढुंग में सड़क निर्माण के काम के दौरान जमीन से निकली एक तलवार ने एएसआई को भी हैरान कर दिया है।

इस तलवार के बारे में टिप्पणी करते हुए, वैज्ञानिक जाँच पर आधारित एएसआई की एक रिपोर्ट में कहा गया है, इसके अलावा, तांबे और जस्ता (जिंक) से भरपूर एक हिस्से (संभवत: एक क्विलॉन ब्लॉक या क्रॉस गार्ड) की खोज से पता चलता है कि हथियार बनाने के कुछ हिस्सों में जानबूझकर पीतल का इस्तेमाल किया गया था, जो अन्य चीजों की मुख्य रूप से लोहे की बनावट से अलग है। यह ऐतिहासिक हथियारों में धातु के चुनाव के प्रति एक बारीक और सोची-समझी सोच को दिखाता है।

टिहरी गढ़वाल के पेपोला ढुंग में मिले 94 हथियार 2015 से ही भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के देहरादून कार्यालय के स्टोर में रखे हुए थे। देहरादून के आरटीआई कार्यकर्ता राजू गुसाईं ने 17 फरवरी 2025 को एएसआई में एक आरटीआई अर्जी दाखिल कर बरामद हथियारों की स्थिति के बारे में जानकारी मांगी थी। इसका जवाब चौंकाने वाला था, जिसमें बताया गया कि अभी तक इन हथियारों की वैज्ञानिक जाँच नहीं की गई है। उनकी आरटीआई के दबाव में एएसआई को इन हथियारों को जाँच के लिए भेजना पड़ा। लेकिन, इसके बाद भी वैज्ञानिक जाँच शुरू नहीं हो रही थी, इसलिए गुसाईं ने नियमित रूप से आरटीआई अर्जियाँ दाखिल कर इस बारे में जानकारी मांगी। हाल ही में, एएसआई ने आवेदक को चार पन्नों की एक रिपोर्ट भेजी है। मिले 94 हथियारों में से एएसआई ने कुल 80 हथियारों की वैज्ञानिक जाँच की। एएसआई की 'वैज्ञानिक और संरक्षण शाखा' ने यह अध्ययन किया। यह जाँच 8 और 9 मई 2025 को की गई थी, और इसकी शुरुआती रिपोर्ट 26 मई 2025 को तैयार की गई। साल 2015 में, टिहरी गढ़वाल के एक दूरदराज के गाँव में जमीन से तलवारें, भाले और अन्य हथियार मिले थे। इन हथियारों के मिलने के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने इन्हें अपने कब्जे में ले लिया था, लेकिन इनकी कोई वैज्ञानिक जाँच नहीं कर रहा था। आरटीआई के दबाव में ही एएसआई को यह जाँच करवानी पड़ी, और यहाँ तक कि वैज्ञानिक जाँच की रिपोर्ट भी आरटीआई के जरिए ही हासिल की गई।

पुलिस को लूट की झूठी सूचना देना पड़ा भारी, 5 गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 2.5 लाख रूपये व वाहन लूट की फर्जी सूचना पुलिस को देना पांच लोगों को भारी पड़ गया है। पुलिस ने उन्हे गिरफ्तार कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार कोतवाली भगवानपुर को सलीम पुत्र अलीहसन निवासी 62 फुटा रोड मौहल्ला खाताखेडी थाना मण्डी जिला सहारनपुर उ.प्र. द्वारा सूचना दी गयी कि कुछ लोग मुझसे ग्राम खेड़ी शिकोहपुर से जबरदस्ती मेरी गाड़ी व गाड़ी में रखे करीब ढाई लाख रूपये छीनकर भाग गए है। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शूरू कर दी गयी। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो को खंगालते हुए अपराधियों की तलाश शुरू की जिसके पश्चात नबीर पुत्र जमील उम्र 19 वर्ष, शौकिन पुत्र बाबू उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम मानक माजरा कोतवाली भगवानपुर जनपद हरिद्वार और साहिब पुत्र आलीम उम्र 32 वर्ष निवासी डाडाजलालपुर कोतवाली भगवानपुर जनपद हरिद्वार द्वारा जबरदस्ती वाहन को अपने साथ लेकर जाना पाया गया। जिस पर पुलिस ने तीनो व्यक्तियो को पूछताछ हेतु थाना लाया गया। पूछताछ में आपसी पैसो के लेन देने के सम्बन्ध में प्रकाश में आया। सूचना देने वाले ने एक प्लानिंग के तहत पुलिस को गुमराह करने की नीयत से पुलिस को झूठी सूचना दी गई थी जिस कारण पुलिस ने कार्यवाही करते हुए उपरोक्त तीनों व्यक्तियो जिनके द्वारा मोटरसाइकिल ले जाई थी व सूचना देने वाले अन्य दो व्यक्तियो सलीम पुत्र अलीहसन निवासी 62 फुटा रोड मौहल्ला खाताखेडी थाना मण्डी जिला सहारनपुर उ.प्र. उम्र 48 वर्ष, नौशाद पुत्र शमशाद निवासी सम्राट कालोनी मण्डी समिती रोड थाना मण्डी जिला सहारनपुर उ0प्र0 उम्र 55 वर्ष के विरूद्व अन्तर्गत धारा 172 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही की गयी है।

आगामी 15 मई को लघु व्यापार संगठन के चुनाव किए गए घोषित

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों का मात्र एक संगठन लघु व्यापार एसो के 3 वर्षीय चुनाव को लेकर लघु व्यापार एसो की कार्य समिति द्वारा चुनाव पर्यवेक्षक व संयोजक नियुक्त किए गए सात सदस्य समिति में पर्यवेक्षक अनिल शर्मा संयोजक राजीव पराशर तेज प्रकाश साहू, संजय बंसल, कमल कुमार ,लालचंद गुप्ता संरक्षक पंडित चंद्र प्रकाश शर्मा सहित सात सदस्य समिति आगामी 3 वर्ष के लिए लघु व्यापार एसो का चुनाव कराएगी।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसो के संगठनिया चुनाव के पर्यवेक्षक अनिल शर्मा ने बताया आगामी 14 मई तक सभी सदस्य संगठन अपने-अपने क्षेत्र में संगठन की सदस्यता लेंगे। आगामी 15 मई को लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अपनाते हुए अध्यक्ष महामंत्री कोषाध्यक्ष तीन पदों के लिए आवेदन दिए जाएंगे आवेदन की प्रक्रिया के उपरांत वोटिंग का समय निर्धारित किया जाएगा। उन्होंने कहा वर्ष 2022 से उत्तराखंड प्रदेश में रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को संगठित कर एकमात्र संगठन संघर्ष कर रहा है संगठन के संघर्ष की उपलब्धि के रूप में मई 2022 को उत्तराखंड शासन द्वारा नगरी फेरी नीति नियमावली का शासन आदेश उत्तराखंड के सभी निकायों में जारी किया जा चुका है उन्होंने सभी लघु व्यापारी संगठनों से अपील की ज्यादा से ज्यादा तादाद में लघु व्यापारी एसो की सदस्यता ले और संगठन को और मजबूत बनाएं। आगामी 15 मई को लघु व्यापार एसो के चुनाव संपन्न करने के लिए अध्यक्ष संजय चोपड़ा द्वारा पर्यवेक्षक अनिल शर्मा, राजीव पराशर, संजय बंसल, कमल सिंह, लालचंद गुप्ता, तेज प्रकाश साहू सभी सदस्यों को आगामी चुनाव कराने हेतु नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

ऐतिहासिक रही कांग्रेस की रैली: नेगी

हमारे संवाददाता

नई टिहरी। नई टिहरी वन विभाग के वन चेतना केंद्र में प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने कहा कि कांग्रेस के कल के सम्मेलन में हजारों कार्यकर्ताओ ने प्रतिभाग किया जिसके लिए कार्यकर्ताओ में काफी उत्साह है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रतापनगर क्षेत्र एवं समस्त जिले के वरिष्ठ नेताओं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव व उत्तराखंड की प्रभारी सिरसा लोकसभा सदस्य कुमारी शैलजा नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गणेश गोदियाल,पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सी डब्ल्यू सी सदस्य करण माहरा ,सह प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा एव मनोज यादव कैबिनेट मंत्री शूरवीर सिंह सजवाण पूर्व विधायक जोत सिंह गुनसोला ओम गोपाल रावत एवं भीम लाल आर्य हरिद्वार लोकसभा के कांग्रेस प्रभारी वीरेंद्र रावत सैनिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष कर्नल राम रत्न नेगी एस सी प्रकोष्ट के अध्यक्ष मदन लाल, आशी रावत अध्यक्ष व महिला कांग्रेस की बहिने एवं अन्य प्रकोषठों के अन्य अध्यक्ष गणो टिहरी जिला पंचायत उपाध्यक्ष मान सिंह रौतेला पंचायत सदस्य विजयपाल रावत लक्ष्मी पंवार विजय देवी ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष गण एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेतागणों का आभार व्यक्त किया ।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पक्ष मे बेहतर माहौल है । उत्तराखण्ड प्रभारी कुमारी शैलजा के टिहरी आगमन से कार्यकर्ताओ में ऊर्जा का संचार हुआ सम्मेलन में उठाये गये मुद्दों भाजपा की जन विरोधी नीतियों को गांव गांव घर घर संदेश पहुंचाया जायेगा । उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं के हितों पर कुठाराघात कर रही है बेरोजगारी चरम पर है स्वास्थ्य सेवाए बदहाल है महिलाओ के प्रसव सड़क पर हो रहे। मूलभूत सुविधाओं का अभाव है महंगाई चरम पर है खाद्य पदार्थो गैस के दाम में भारी वृद्धि से जनता त्रस्त है हर तरफ हाहाकार है। इन तमाम मुद्दों को लेकर सड़क से सदन तक आंदोलन एवं जन जागरण किया जायेगा। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुरारी लाल खंडवाल त्रिलोक सिंह सजवाण महेश जोशी गजपाल सजवाण राजेश रावत कुलदीप बिष्ट ज्ञान सिंह आदि उपस्थित थे।

बद्रीनाथ में पुलिस, एटीएस व 7 असम एटीएस ने माणा सीमा तक चलाया सघन चैकिंग अभियान

हमारे संवाददाता

चमोली। विश्व प्रसिद्ध श्री बद्रीनाथ धाम में चल रही चारधाम यात्रा के मध्य श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु आज चमोली पुलिस, एटीएस एवं 7 असम एटीएस द्वारा संयुक्त सुरक्षा अभियान चलाया गया। सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल, त्वरित रिस्पॉन्स एवं किसी भी संभावित खतरे से निपटने की तैयारी को लेकर पूरे धाम क्षेत्र में गहन निरीक्षण एवं चैकिंग अभियान संचालित किया गया।

संयुक्त टीमों ने बद्रीनाथ मंदिर परिसर के इनर एवं आउटर कार्डन क्षेत्रों का बारीकी से निरीक्षण करते हुए सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके साथ ही अस्पताल परिसर, होटल, पार्किंग स्थल, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों तथा वाहनों की सघन चौकिंग की गई। धाम के मुख्य प्रवेश बिंदु देवदर्शिनी बैरियर पर प्रत्येक वाहन एवं संदिग्ध व्यक्ति पर विशेष निगरानी रखी गई। वहीं सीमांत क्षेत्र माणा गांव के अंतिम छोर तक सुरक्षा बलों द्वारा गश्त एवं निरीक्षण कर संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए रखी गई। संयुक्त टीमों द्वारा यात्रियों से संवाद स्थापित कर सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी भी साझा की गई तथा स्थानीय लोगों व व्यापारियों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई।

रसमलाई खाने वाला दारोगा हुआ संस्पेड

हमारे संवाददाता

देहरादून। आरटीओ के एक दारोगा पर एक व्यापारी द्वारा रिश्वत लेने का आरोप लगाते हुए उसे बंधक बना लिया गया। मामले की जानकारी मिलने पर विभागीय मंत्री को कहना पड़ गया कि जांच में दोषी पाए गए कर्मी को दंडित किया जाएगा, जिसे संस्पेड कर दिया गया है साथ ही मामले से जुड़ी तहरीर पुलिस चौकी में भी दे दी गयी है। आरोपी आरटीओ के दारोगा का कहना है कि वह तो वहां रसमलाई खाने आया था। जिसे इस प्रकरण में फंसा दिया गया है।

रिश्वत खोरी का यह मामला देहरादून के मियांवाला क्षेत्र का है। इस इलाके में गजराम सिंह चौहान का कार्यालय है। सोशल मीडिया में खबर वायरल हुई कि ट्रांसपोर्टर गजराम ने अपने कार्यालय में एक दो स्टार वर्दीधारी आरटीओ कर्मी को बंद कर दिया। जिस पर मौके पर भीड़ जमा हो गयी।

बताया जा रहा है कि आरटीओ कर्मी एक घण्टे से अधिक समय तक अंदर बन्द रहा। मीडिया कर्मियों के आने के बाद ही सिंह एंटर प्राइजेज का शटर ऊपर उठाया गया। अंदर का नजारा बेहद दिलचस्प था। आरटीओ कर्मी हेलमेट समेत बैठा हुआ था। और गजराम सिंह चौहान खुलेआम आरोप लगा रहे थे कि ये कर्मी हर महीने दुकान पर आता है। और 8 हजार रुपए महीना ले जाता है।

आज भी यह पैसे लेने आया था। और हमने इसे अंदर ही बन्द कर दिया। उधर, आईटीओ कर्मी ने कहा कि गजराम ने उन्हें रस मलाई खिलाने के लिए बुलाया था। वो यहां आते रहते हैं। जबकि गजराम ने मेज पर रखे नोटों का लिफाफा भी दिखाया। गजराम ने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व में ली गयी रिश्वत के वीडियो फुटेज उनके पास है। जबकि विश्वास से लबरेज नजर आ रहे आरटीओ कर्मी ने चुनौती देते हुते रिश्वत लेने से जुड़े फुटेज दिखाने को कहा। इस बीच समूचे झगड़े की वीडियो बनती रही। आरटीओ कर्मी अपने उच्चाधिकारियों से भी मोबाइल पर पूरी स्टोरी बताता रहा। और ऊपर से निर्देश भी लेता रहा। दो तीन घण्टे तक चले ड्रामे के बाद आरटीओ कर्मी मोटरसाइकिल पर किक मार कर चलता बना।

आरटीओ प्रवर्तन दल में मौजूद कर्मी का कहना था कि वो अक्सर इनकी दुकान में आते रहते हैं। रिश्वत लेने जैसी कोई बात ही नहीं है। जबकि संत कबीर स्कूल के पास निर्माण सामग्री कारोबारी गजराम सिंह ने आरोप लगाया कि एक आरटीओ कर्मी उनके कार्यालय में रिश्वत लेने ही पहुंचा था। और इसीलिए उन्होंने शटर बन्द कर दुकान में कैद कर दिया।

व्यापारी गजराम सिंह ने कहा कि वह अपने कारोबार में पारदर्शिता रखते हैं और अपने प्लॉट में बिकने वाली हर सामग्री के दाम सार्वजनिक रूप से लिखते हैं। उनका आरोप है कि इसी ईमानदारी के बावजूद उनसे अवैध रूप से पैसे मांगे जा रहे थे। इस मसले की गूंज परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा तक भी पहुंची। बत्रा ने जांच का भरोसा दिया है। इसके अलावा आरटीओ के अन्य अधिकारी वॉयरल वीडियो के 'प्रभाव' को कम करने की कोशिश में कुछ पत्रकारों से गुहार करते नजर आए। मामले की लीपापोती भी शुरू हो गयी है। वहीं समाचार लिखे जाने तक आरटीओ का यह दारोगा संस्पेड कर दिया गया था।

घर के बाहर खेल रही मासूम बच्ची पिकअप के टायर के नीचे आई, मौत

हमारे संवाददाता

नैनीताल। मंडी क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में दो साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई। घर के बाहर खेल रही बच्ची पिकअप वाहन के पिछले टायर की चपेट में आ गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि क्षेत्र में भी शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार कुंदन सिंह अपनी पत्नी गीतांजली और इकलौती बेटी काव्या के साथ बरेली रोड स्थित मंडी क्षेत्र के पास किराए के मकान में रहते हैं।

उनके पड़ोस में पिकअप चालक सुरेश चिलवाल रहता है, जिसके साथ मासूम काव्या अक्सर खेलती थी। बताया जा रहा है कि बीते रोज काव्या घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान सुरेश काम पर जाने के लिए अपनी पिकअप गाड़ी बैक कर रहा था। वाहन पीछे करते समय उसकी नजर बच्ची पर नहीं पड़ी और काव्या पिछले टायर की चपेट में आ गई। हादसे के तुरंत बाद परिजन और स्थानीय लोग गंभीर रूप से घायल बच्ची को अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर बनभूलपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। मासूम की मौत के बाद माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष डीएस फर्त्याल ने बताया कि मामले में अभी तक चालक के खिलाफ कोई तहरीर नहीं मिली है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

लाखों की चपत लगाकर एक वर्ष से फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

टिहरी। विभिन्न मामलों में लाखों की चपत लगाकर एक वर्ष से फरार चल रहे वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार वभिन्न मामलो में एक साल से फरार चल रहे एक वारंटी को देहरादून से गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार वारंटी विभिन्न प्रकरणों में लाखों की चपत लगाकर विगत एक वर्ष से फरार चल रहा था। पुलिस टीम द्वारा लगातार सुरागरसी-पतारसी एवं दबिश की कार्रवाई करते हुए बीते रोज देहरादून क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। जिसका नाम शैलेश डिमरी पुत्र रामेश्वर प्रसाद डिमरी निवासी मकान संख्या-294, अजबपुर कला, जनपद देहरादून, उत्तराखंड बताया जा रहा है।

सरकारी कार्य में बाधा डालने वाला आरोपी कार सहित गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

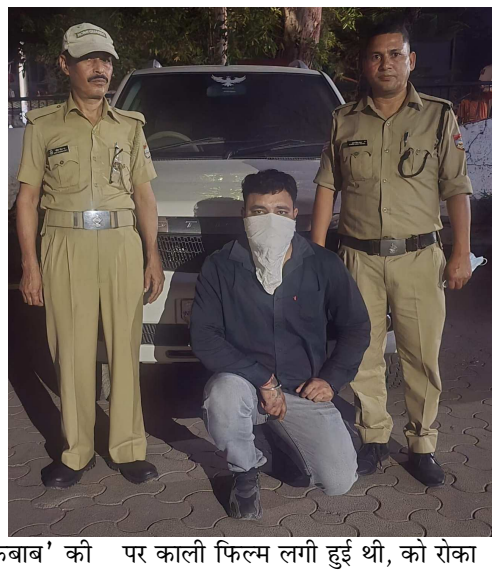

नैनीताल। सरकारी कार्य में बाधा डालने और पुलिस कर्मियों को धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी द्वारा चैकिंग के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ अभद्रता की गयी थी।

जानकारी के अनुसार बीते रविवार की रात को कोतवाली हल्द्वानी पुलिस क्षेत्रांतर्गत गश्त और वाहन चेकिंग ड्यूटी पर तैनात थी। चेकिंग के दौरान तिकोनिया स्थित 'कबाड़ी कबाब' की दुकान के पास एक संदिग्ध कार जिस पर काली फिल्म लगी हुई थी, को रोका गया। वाहन के चालान की प्रक्रिया के दौरान कार चालक ने पुलिस कर्मियों के साथ अत्यधिक अभद्रता की। आरोपी द्वारा ड्यूटी पर तैनात लोकसेवकों को गाली-गलौज करते हुए जान से मारने और 'वर्दी उतरवा देने' की धमकी दी गई। इसके पश्चात, आरोपी पुलिस के आदेशों की अवहेलना करते हुए मौके से वाहन लेकर फरार हो गया।

मामले में ड्यूटी पर तैनात उप-निरीक्षक आरती की तहरीर के आधार पर बीते रोज कोतवाली हल्द्वानी में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपी लवजीत सिंह पुत्र कुलदीप सिंह, निवासी ग्राम भवान सिंह नवाड, लालकुआं को गिरफ्तार कर लिया है।

घोड़ा संचालकों के विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। श्री केदारनाथ धाम पैदल मार्ग के जंगलचट्टी क्षेत्र का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है, जिसमें कुछ व्यक्तियों के बीच आपसी विवाद एवं मारपीट होती दिखाई दे रही

❑पुलिस कर रही मामले की तस्दीक

है। मामले में पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग नीहारिका तोमर ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त वीडियो दो घोड़ा-खच्चर संचालकों से संबंधित है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोनों घोड़ा संचालकों के बीच घोड़ा फिसलने को लेकर किसी बात पर कहासुनी हुई थी, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच

विवाद हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस द्वारा मामले की तस्दीक की जा रही है तथा संबंधित दोनों पक्षों की पहचान एवं आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वर्तमान तक इस संबंध में किसी भी पक्ष द्वारा कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। बावजूद इसके, पुलिस सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि श्री केदारनाथ यात्रा के दौरान यात्रा मार्ग पर शांति एवं व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन और पुलिस की प्राथमिकता है। सभी घोड़ा-खच्चर संचालकों एवं यात्रा से जुड़े व्यक्तियों से अपील की गई है कि आपसी विवाद की स्थिति में संयम बनाए रखें तथा किसी भी समस्या की सूचना तत्काल पुलिस एवं प्रशासन को दें।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।